BSES

बीएसईएस के जीआईएस को मिला अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड

- रिलायंस एनर्जी / बीएसईएस को सेन डिएगो (अमेरिका) में दिया गया– स्पेशल अचीवमेंट इन जीआईएस अवॉर्ड
- जीआईएस के उपयोग से काम को सही तरीके से अंजाम देने में मदद मिलती है, कार्य क्षमता व दक्षता बढ़ती है, समस्याओं के समाधान में तेजी आती है और व्यवसाय को भी गति मिलती है
- जीआईएस के इस्तेमाल से वितरण नेटवर्क में आई गड़बड़ियों का पता लगाना काफी आसान हो गया है। जल्द से जल्द इसका पता लगा कर गड़बड़ियों को दूर किया जा सकता है
- जीआईएस के आने से विकास के लिए योजनाएं बनाना पहले से काफी आसान हो गया है
- कहां कितना घाटा हो रहा है, इसकी जानकारी भी, जीआईएस की मदद से, आसानी से मिल जाती है

नई दिल्लीः 11 अगस्त, 2008। बीएसईएस के ज्योग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम – जीआईएस– को अमेरिका का प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड मिला है। तकनीकी के क्षेत्र का नामी पुरस्कार, *स्पेशल अचीवमेंट इन जीआईएस,* सेन डिएगो (अमेरिका) में रिलायंस एनर्जी / बीएसईएस को दिया गया। यह पुरस्कार एन्वायरमेंटल सिस्टम रिसर्च इंस्टिट्यूट (इएसआरआई) की ओर से उसके 28वें सालाना उपयोगकर्ता सम्मेलन (एनुअल यूजर कॉन्फ्रेंस) में दिया गया। ईएसआरआई एक नामी सॉफ्टवेयर विकास व सेवा प्रदाता कंपनी है, जो विभिन्न कंपनियों व प्रोफेशनल्स को जीआईएस सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराती है। यह अवॉर्ड दुनियाभर की कंपनियों द्वारा जीआईएस के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के मद्देनजर दिया जाता है।

दरअसल, रिलायंस एनर्जी / बीएसईएस ने जीआईएस के क्षेत्र में काफी काम किया है। रिलायंस के आईटी डिपार्टमेंट ने जीआईएस का बेहतरीन प्रयोग किया है और उसे ऑपरेशंन व मेंटेनेंस से लेकर प्लानिंग तक– तमाम प्रॉसेसों से जोड़ दिया है। जीआईएस के उयोग से जहां एक ओर काम को सही तरीके से अंजाम देने में मदद मिलती है, वहीं इससे कार्य क्षमता व दक्षता बढ़ती है, समस्याओं के समाधान में तेजी आती है और व्यवसाय को भी गति मिलती है।

जीआईएस और उसके लाभः

जीआईएस में कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और विभिन्न तरह के डेटा का प्रयोग किया जाता है। दरआसल, किसी भी तरह की सूचना को जीआईएस से जोड़ा जा सकता है। जीआईएस का उपयोग कर आप मैप आदि के सहारे, समस्याओं की जड़ में जा सकते हैं, जिससे उनके समाधान में तेजी आएगी।

बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, बिजली के व्यवसाय में बड़े पैमाने पर एसेट, वर्क साइट और ऑफिसों की जरूरत होती है। जीआईएस की मदद से तमाम कार्यस्थलों और कार्यों को ऑनलाइन देखा–परखा जा सकता है। मतलब यह कि किसी दूसरी जगह की समस्या को ऑफिस में बैठे मॉनिटर किया जा सकता हैं और कर्मचारियों को सही व सटीक निर्देश दिए जा सकते हैं। जीआईएस के उपयोग से स्काडा, एएमआर आदि तमाम सिस्टम्स में मदद मिली है। इससे जहां जल्द से जल्द समस्याओं का समधान किया जा सकता है, वहीं दूसरी ओर कस्टमर सर्विस व बिजनेस डेवलेपमेंट में भी यह सहायक है।

जीआईएस ने मुख्य तौर पर इन समस्याओं का समाधान किया हैः

- दशकों पुराना नेटवर्क होने की वजह से पूरा नेटवर्क ऑनलाइन नहीं था। जीआईएस की मदद से पूरा नेटवर्क हमारे ऑनलाइन सिस्टम में आ गया। अब नेटवर्क के हर पहलू पर कोऑर्डिनेट किया जा सकता है।
- वितरण नेटवर्क में आई गड़बड़ियों का पता लगाना काफी आसान हो गया है। जल्द से जल्द इसका पता लगा कर गड़बड़ियों को दूर किया जा सकता है। स्काडा अब जीआईएस उपयोगकर्ताओं को रियल टाइम आधार पर सूचनाएं देता है, जो पहले संभव नहीं था।
- विकास के लिए योजनाएं बनाना पहले से काफी आसान हो गया है।
- कहां कितना घाटा हो रहा है, इसकी जानकारी भी अब आसानी से मिल जाती है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304